मोड्यूल 3 : प्रसव तथा जन्मते ही शिशु का अवलोकन

सत्र 6 : प्रसवपीड़ा तथा शिशुजन्म : प्रसव फॉर्म पूरा करना (प्रश्न 1 से 8)

दिवस : 1
समयावधि : 1 घंटा

प्रयोजन

प्रसव फॉर्म का भाग 1 देखना जिससे आशा प्रसवपीड़ा और शिशु जन्म के दौरान भरे जाने वाले प्रसव फॉर्म के पहले भाग (प्रश्न 1 से 8) को ठीक से भर सकें।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएँगी –

1) प्रसव देखना तथा प्रसव फॉर्म के पहले भाग (प्रश्न 1 से 8) को भरना।

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1: प्रसव फॉर्म (प्रश्न 1 से 8)
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: केस प्रस्तुति

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1 की प्रतियाँ बना लें।

प्रशिक्षण विधि

<u>प्रस्तुति प्रसव फॉर्म भाग 1 (प्रश्न 1 से 8)</u> (35 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रसव फॉर्म बाँटे।
2. एक के बाद एक प्रत्येक प्रश्न पढ़े (प्रश्न 8 तक) उनसे शब्दों के अर्थ पूछें, आवश्यकता हो तो समझाएँ (जैसा विषय–वस्तु बाक्स में दिया गया है)

विषय–वस्तु

भाग 1 के अधिकांश, प्रश्नों के बारे में नीचे बताया गया है। साधारण प्रश्नों जैसे आशा प्रसव के समय महिला के घर कब पहुँची इत्यादि के उत्तर यहाँ नहीं दिए गए है।

➢ **प्रसवपीड़ा शुरू होने का समय** – जब प्रसवपीड़ा के दर्द हल्के हों तथा रूक–रूक कर होने लगे हों (5–5 मिनट पर)। महिलाएँ अक्सर इन हल्के दर्दो पर ध्यान नहीं देती या सोचती हैं – कि ये पेट दर्द है। यह आवश्यक है कि दर्द शुरू होना महिलाएँ जल्दी ही समझ सकें और आशा को सूचित कर सकें।

- **प्रसव किसने कराया –** जिसने प्रसव कराया, फॉर्म में उस पर निशान लगाएँ।
- **शिशु का कौनसा अंग सबसे पहले बाहर आया –** शिशु जब पैदा होता है तो सबसे पहले उसका सिर बाहर निकलता है। यदि कोई अन्य अंग पहले बाहर आए तो इसे 'असामान्य' माना जाता है। फॉर्म में दिये गये विकल्प हैं – सिर/अवलनाल/अन्य भाग। अन्य भाग हाथ, कन्धे, पैर इत्यादि हो सकते है।
- **थैली का फटना और द्रव का रंग –** गर्भ में शिशु एक द्रव की थैली में होता हैं और शिशु के चारों ओर द्रव होता हैं। सामान्यतः प्रसव पीड़ा के दौरान या शिशु जन्म से पहले पानी की थैली फटती हैं।

  थैली फटने पर जो द्रव निकलता है उसके विभिन्न रंग हो सकते हैं – हरा, लाल, पीला, या सफेद (पारदर्शी)। फॉर्म में उस रंग पर निशान लगाएँ जो द्रव से सबसे ज्यादा मिल रहा हो। यदि द्रव सफेद (पारदर्शी) है तो कोई समस्या नहीं। यदि द्रव गाढ़ा और हरा या पीला हो तो शिशु का सिर बाहर निकलते ही शिशु का मुँह, पट्टी वाले कपड़े से अंदर से साफ करें। यदि द्रव का रंग लाल या सफेद (पारदर्शी) हैं तो उसे फॉर्मपर नहीं लिखा जायेगा।
- **जन्म का समय –** जन्म का समय वह होता है – जब पूरा शिशु माँ के पेट से बाहर आ जाए। दिनांक तथा समय लिखे। जन्म भोर/सुबह/दोपहर/शाम/रात जब हुआ हो उस पर गोला लगाए। जन्म का समय घंटा, मिनट तथा सेकिंड दर्ज करे। पहले सेकिंड, फिर मिनट और फिर घंटे लिखे।
- **तत्काल कार्य** शिशु का जन्म होते ही आशा उसे पोंछे और गर्म रखे। यह कार्य किया गया या नहीं इसे फॉर्म पर दर्ज करे।

प्रस्तुति : प्रसव के समय माँ को अस्पताल भेजना

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. आशा से प्रसव फॉर्म मे दिए गए प्रश्न 2 को देखने को कहे। उसमे वह स्थितियां बतायी गई है जब गर्भवती को प्रसव के समय अस्पताल भेजना चाहिए। यदि ऐसी स्थिती मे तत्कालिक चिकित्सा नही दी गई तो ये माँ–बच्चे के लिए जानलेवा सिध्द हो सकता है। नीचे दिए गए विषय–वस्तु बॉक्स को देखे।

	खतरे के लक्षण	क्या माँ को अस्पताल भेजा गया?
1. हल्की प्रसव पीडा शुरू होने के 24 घंटे के अंदर प्रसव नहीं होता हैं।	हॉ / नही	हॉ / नही
2. शिशु के सिर के बजाय शरीर का कोई अन्य भाग पहले बाहर आना।	हॉ / नही	हॉ / नही
3. माँ को अत्यधिक रक्तस्त्राव	हॉ / नही	हॉ / नही
4. 30 मिनट के अंदर अवलनाल का बाहर न निकलना	हॉ / नही	हॉ / नही
5. माँ बेहोश है अथवा उसे दौरे आ रहे है।	हॉ / नही	हॉ / नही

2. यदि प्रसव के दौरान उपर्युक्त 5 स्थितीयों से कोई भी देखी गई तो फॉर्म पर दर्ज करे। यह भी लिखे कि क्या माँ को अस्पताल भेजा गया?

अभ्यास : केस प्रस्तुति के आधार पर फॉर्म भरना (20 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

- प्रशिक्षक पढ़कर केस प्रस्तुत करें और आशा प्रसव फॉर्म में लिखती जाए।
- प्रत्येक आशा प्रसव फार्म की अपनी प्रति में पहला भाग भरें (प्रश्न 1–8)।
- 15 मि. के बाद प्रशिक्षक देखें कि फॉर्म ठीक से भरा गया है या नहीं और चर्चा करें।
- किसी की कोई समस्या / शंका हो तो समाधान करें।

सारांश (5 मि.)

- प्रशिक्षणार्थियों से अर्थ पूछें – द्रव की थैली, शिशु के शरीर का पहले बाहर आने वाले अंग।
- निकटतम मिनट में जन्म का समय कैसे लिखा जाए।
- कुछ गलतियाँ हों, तो सुधारें और महत्वपूर्ण जानकारी दोहराएँ।
- आशा की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
प्रसव का अवलोकन तथा प्रसव फॉर्म का पहला भाग भरना, प्रश्न 1 से 8।	केस प्रस्तुति के आधार पर प्रसव फॉर्म भरना।	केस प्रस्तुति के आधार पर आशाओं ने भरे हुए प्रसव फॉर्म